पाठ 6

कबूतर और मधुमक्खियाँ

मुसीबत में एक दूसरे की सहायता करना हमारा धर्म है। पशु–पक्षी भी कभी–कभी यह धर्म निभाते हैं। यह कहानी हमें सिखाती है कि हम भी मुसीबत में फँसे अपने साथियों की सहायता करें।

3ME44U

किसी नदी के किनारे एक पेड़ था। पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता था। छत्ते में बहुत–सी मधुमक्खियाँ रहती थीं। उनमें एक रानी मक्खी भी थी।

एक दिन की बात है। रानी मक्खी छत्ते से बाहर निकलते ही नदी में गिर गई। उसने पानी से निकलने का बहुत प्रयत्न किया, पर वह निकल न सकी। वह नदी की धारा में बहने लगी। नदी के किनारे एक कबूतर पानी पी रहा था। उसे मक्खी पर बहुत दया आई। वह उसे बचाने की बात सोचने लगा। अचानक उसे एक उपाय सूझा। वह तेजी से उड़कर पेड़ के नीचे पहुँच गया। पेड़ के नीचे से एक सूखा पत्ता लेकर उसने अपनी चोंच में दबाया और नदी के किनारे–किनारे उड़ने लगा। थोड़ी ही दूर पर उसे रानी मक्खी दिखाई दी। उसने पत्ता मधुमक्खी के बिल्कुल आगे डाल दिया। मक्खी पत्ते पर चढ़ गई। पत्ता धीरे–धीरे किनारे से लग गया। रानी मधुमक्खी डूबने से बच गई।

कबूतर का ध्यान पत्ते पर ही था। उसने देखा कि मधुमक्खी तो बिल्कुल हिल–डुल नहीं रही है। वह चोंच में पत्ता दबाकर, पेड़ के नीचे आ गया। कुछ देर तक वह इस बात की प्रतीक्षा करता रहा कि मधुमक्खी हिलती–डुलती है या नहीं।

मधुमक्खी अब कुछ हिलने लगी। वह धीरे–धीरे पत्ते पर चढ़ने भी लगी। उसने कबूतर की ओर

देखा। कबूतर को विश्वास हो गया कि अब मक्खी बच जाएगी। रानी मक्खी ६ ीरे–धीरे उड़कर अपने छत्ते में चली गई। रानी मधुमक्खी के छत्ते में न होने से सभी मधुमक्खियाँ परेशान थीं। उसको छत्ते में आया देखकर सभी को बड़ी प्रसन्नता हुई।

कुछ दिनों के बाद एक शिकारी उधर आया। वह नदी के किनारे घूम–घूमकर चिड़ियों का शिकार करने लगा। उसके भय से सभी पक्षी इधर–उधर छिपने लगे। जिस कबूतर ने रानी मक्खी को बचाया था, वह भी उड़ता हुआ उसी पेड़ के पास आया। डर के मारे वह पेड़ के पत्तों में छिप गया। रानी मक्खी ने उस कबूतर को देखा तो तुरन्त मधुमक्खियों से कहा, ''हमें किसी भी तरह इस कबूतर की रक्षा करनी चाहिए।''

रानी मधुमक्खी की बात सुनते ही कई मधुमक्खियाँ छत्ते से निकल पड़ीं। उधर शिकारी ने कबूतर को देख लिया था। वह उसकी ओर निशाना साध ही रहा था कि मधुमक्खियाँ तेजी से उसकी ओर झपटीं। उन्होंने कई जगह शिकारी को काट खाया। शिकारी घबरा गया। उसका निशाना चूक गया। कबूतर ने तीर की सनसनाहट सुनी। उसने भय के मारे अपनी आँखें बंद कर लीं। थोड़ी देर बाद उसने अपनी आँखें खोलीं तो देखा, शिकारी अपना सिर पकड़कर बैठा है। उसे कुछ मधुमक्खियाँ उड़ती हुईं पेड़ की ओर आती दिखाई दीं।

कबूतर सब कुछ समझ गया। उसने मधुमक्खियों की ओर देखा और मन–ही–मन उनको धन्यवाद दिया।

शब्दार्थ

प्रयत्न	–	कोशिश	परेशान	–	चिंतित
प्रतिक्षा	–	इंतज़ार	राह देखना	–	बाट जोहना
छटपटाना	–	बेचैन होना, व्याकुल होना			

प्रश्न और अभ्यास

प्र. 1. मधुमक्खियाँ कहाँ रहती थीं ?

प्र. 2. रानी मक्खी किस मुसीबत में फँस गई थी ?

प्र. 3. कबूतर क्यों डर गया था ?

प्र. 4. मधुमक्खियों ने कबूतर की कैसे सहायता की ?

प्र. 5. यदि कबूतर मधुमक्खी की सहायता न करता तो क्या होता ?

प्र. 6. तुमने मधुमक्खियों का छत्ता लटका हुआ देखा होगा। पता करो कि मधुमक्खियाँ अपने छत्ते में शहद कैसे इकट्ठा करती हैं ?

प्र. 7. तुमने अपने आसपास किसी जानवर या पक्षी का शिकार होते हुए देखा या सुना होगा। तुम्हें क्या लगता है कि लोग इनका शिकार क्यों करते होंगे ? तुम्हारे विचार से यह सही है या नहीं ?

भाषा–अध्ययन और व्याकरण

प्र.1. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्यों के खाली स्थान भरो।

(भिनभिना, खटखटा, गड़गड़ा, गिड़गिड़ा)

क. भिखारी ———————— रहा था।

ख. मेहमान दरवाजा ———————— रहा था।

ग. मक्खियाँ मिठाई पर ———————— रही थीं।

घ. बादल ———————— रहे हैं।

समझें

लड़का	–	लड़के	–	लड़कों
कमरा	–	कमरे	–	कमरों
गमला	–	गमले	–	गमलों

'लड़का' का अर्थ है एक लड़का। 'लड़कों' का अर्थ है बहुत से लड़के। 'लड़के/लड़कों' बहुवचन में आता है।

पढ़ो :– क. छत्ते में बहुत–सी मधुमक्खियाँ रहती थीं।

ख. नदी के किनारे एक सीधा–सादा कबूतर पानी पी रहा था।

ग. पेड़ के नीचे एक सूखा पत्ता पड़ा था।

अब समझो–

क. छत्ते में कितनी मधुमक्खियाँ रहती थीं ?

ख. नदी में पानी पीने वाला कबूतर कैसा था ?

ग. पेड़ के नीचे कैसा पत्ता पड़ा था ?

पहले वाक्य में 'बहुत–सी' शब्द मक्खियों की विशेषता बता रहा है। दूसरे वाक्य में 'सीधा–सादा' कबूतर की विशेषता बता रहा है। तीसरे वाक्य में 'सूखा' शब्द 'पत्ता' की विशेषता बता रहा है। विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

प्र.2 नीचे दिए गए एकवचन शब्दों को बहुवचन में बदलकर लिखो।

झोला, मुर्गा, मेला, ठेला, बोरा, बकरा, कुत्ता।

प्र.3 नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो। इनमें कुछ त्रुटियाँ हैं। उन्हें दूर करके अनुच्छेद फिर से लिखो।

नदी के कीनारे जामून का एक पेड था। उस पर एक बंदर रहता था। वह मिठे–मिठे जामून खाता था। एक मगर से उसकी दोसती हो गई थी। बंदर मगर को भी जामून खीलाता था। मगर पानी में रहता था। उसकी पतनि को जामुन बहुत पसंद था।

वाक्यों को पढ़ो और समझो

अ	ब
क. चूहे ने रोटी खा डाली।	क. चूहों ने कपड़ों को कुतर डाला।
ख. बछड़े ने रस्सी तोड़ डाली।	ख. पेड़ के नीचे बछड़े बैठे हैं।
ग. बस्ता बहुत भारी है।	ग. बाजार में अच्छे–अच्छे बस्ते मिलते है।

खंड 'अ' के वाक्यों में रेखांकित शब्द एकवचन में हैं और ब खंड में रेखांकित शब्द बहुवचन में है।

प्र.4 'चूहा', 'कुत्ता', 'लड़का' शब्दों का प्रयोग एकवचन और बहुवचन रूप में अलग–अलग वाक्यों में करो।

रचना

प्र.1. कबूतर का चित्र बनाओ और उसमें रंग भरो।

प्र.2. इस कहानी को अपने शब्दों मे लिखो।

योग्यता विस्तार

यह भी जानो–

- मधुमक्खियों का छत्ता मोम का बना होता है।
- मधुमक्खियों द्वारा एकत्र किया गया फूलों का रस ही शहद या मधु रस कहलाता है।
- एक छत्ते में खूब सारी मक्खियाँ रहती हैं।
- मधुमक्खियों के डंक होते हैं, जिनके चुभने से बहुत पीड़ा होती है।
- भूलकर भी मधुमक्खियों के छत्ते पर पत्थर नहीं मारना। ये बिखरकर इधर–उधर उड़ती हैं । उस समय ये क्रोध में किसी को भी काट सकती हैं ।

शिक्षण–संकेत

- पाठ का आदर्श वाचन करें और अनुकरण वाचन कराएँ।
- प्रस्तुत पाठ में आए हुए एकवचन एवं बहुवचन के शब्दों की सूची बच्चों से बनवाएँ।
- कक्षा में 3 या 4 समूह बनाकर कहानी पर चर्चा कराएँ और अपना अनुभव सुनाने के लिए कहें।
- पक्षियों के नामों की सूची बनवाएँ।